राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 3813

28 मार्च, 2018 को उत्तर के लिए

लौह अयस्क और इस्पात का घरेलू उत्पादन

3813. श्री राजकुमार धूतः

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या यह सच है कि भारत, जापान, चीन और दक्षिण कोरिया सहित विभिन्न देशों को सस्ती दरों पर लौह अयस्क का निर्यात करता है, जबकि बदले में इन देशों से तुलनात्मक रूप से काफी ऊंचे दरों पर इस्पात का आयात करता है;

(ख) यदि हां, तो विगत तीन वर्षों का वर्ष-वार और देश-वार तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और ऐसी परिपाटी के पीछे क्या कारण हैं; और

(ग) सरकार ने देश में लौह अयस्क और इस्पात के घरेलू उत्पादन को वस्तुतः बढ़ाने के लिए क्या कदम उठाए हैं/कदम उठाने का प्रस्ताव किया है?

उत्तर

इस्पात राज्य मंत्री **(श्री विष्णु देव साय)**

(क) और (ख): भारत लौह अयस्क का निर्यात जापान, चीन और दक्षिण कोरिया समेत विभिन्न देशों को करता है। मुख्य रूप से इस तथ्य के मद्देनजर कि इस्पात के कुछेक ग्रेडों का उत्पादन भारत में नहीं होता है अथवा निर्यातकों के अपने वाणिज्यिक सोच-विचार हैं, इन देशों से भी इस्पात का आयात होता है। अन्य के साथ-साथ आर्थिक सोच-विचार, मूल्यवर्धन, तुलनात्मक लाभ इत्यादि विविध घटकों के कारण विश्व स्तर पर व्यापार होता है। विगत तीन वर्षों में लौह अयस्क के निर्यात और इस्पात के आयात के ब्यौरे नीचे दिए गए हैं:

भारत का लौह अयस्क निर्यात

मूल्य लाख रुपये में

	2014-15	**2015-16**	**2016-17**	**2017-18 (अप्रैल-जनवरी)**
जापान	112465.52	-	15389.14	96710.03
चीन	119020.71	103,204.75	972939.84	542559.15
दक्षिण कोरिया	30,468.00	-	2856.80	44572.51

स्रोत: जेपीसी

<u>भारत का फिनिश्ड इस्पात आयात</u>

मूल्य लाख रुपये में

	2014-15	**2015-16**	**2016-17**	**2017-18 (अप्रैल-जनवरी)**
जापान	7996.98	8590.23	5871.52	5650.51
चीन	15210.891	13903.84	8514.60	8975.31
दक्षिण कोरिया	8947.55	10171.109	9286.27	10117.19

स्रोत: जेपीसी

(ग): सरकार की 'मेक-इन-इंडिया' पहल जो निर्माण और अवसंरचना पर जोर प्रदान करती है, देश में इस्पात की माँग और खपत को प्रोत्साहित करती है। सरकार ने दिनांक 08.05.2017 को राष्ट्रीय इस्पात नीति, 2017 और सरकारी खरीद में घरेलू निर्मित लोहा एवं इस्पात उत्पादों (डीएमआई एंड एसपी) को वरीयता प्रदान करने की नीति को अधिसूचित किया है। ये नीतियाँ इस्पात के घरेलू उत्पादन में सुधार लाने के लिए एक वातावरण तैयार करती हैं। इसके अतिरिक्त, लौह अयस्क के घरेलू उत्पादन में सुधार लाने और निजी निवेशों को आकर्षित करने के लिए माइन्स एंड मिनरल डेवलपमेंट एंड रेग्यूलेशन (अमेंडमेंट) एक्ट, 2015 में खनिज पदार्थ तलाशने हेतु पारदर्शी फ्रेमवर्क का प्रावधान करते हुए संशोधन किए गए हैं।

****